

✓✓

११/१
२१

वल्लुसांर उमत्र पञ्जनारान उपर, राज परेप्रा
 उपर। प्रावी स्वयं उपर। अशवी संख्या
 ०५००५ भी उपर। प्रावी की पद्यान
 श्री मखवी पसा नंडरा, रसावेल ने व
 अप्रावीगण की पद्यान श्री नखेउकुरा
 की, रसावेल ने श्री। ~~अप्रावी~~
 उरा पुनना पत्र इस आश्रम चा
 पेप किना गगादी, कि इस उमत्र
 पञ्जनारान ने मद्य रानीनाग ही
 गमाई अर। पत्रावसी दसी स्लेप

श्रीमान जी
 यशका
 प्राप्य
 (१५) ३ तिह

श्रीमान जी,
 म प्राप्यनापय
 कुरी करवी
 ३
 पद्यानवत
 मदीरनाक

उमत्रना २
 मारा



रीख हुक्म

हुक्म या कायवाही विवरण

पत्र Not press की जर्नी प्रार्थना आता
पांडुत प्रार्थना पत्र की स्वीकार कर
प्रार्थना पत्र इसी स्वर पर Not press
कर खारिज किया जाता है।
पत्रावली कथना शुभ
ही जवाब से नक़दी। पत्रावली कथना
वकीलियत या शासित उपर है।

रुका